MANAGE Bulletin

www.manage.gov.in

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान मार्च 2021

महानिदेशक का संदेश.....

"कृषि विस्तार कृषि विकास के लिए केंद्रीय है"। ज्ञान का अद्यतन करने और कृषि विस्तार पेशेवरों की दक्षता में सुधार करने के लिए प्रशिक्षण और क्षमता विकास आवश्यक है। मैनेज का मानना है कि प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण गतिविधियों को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए अपने सहयोगी संस्थानों के साथ तालमेल और उनके सहयोग की आवश्यकता है।

शैक्षणिक वर्ष 2021 -2022 के लिए, मैनेज अपने प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों में निम्न परिवर्तनों पर ध्यान केंद्रित किया है: 1). विस्तार शिक्षा संस्थानों (ईईआई), राज्य कृषि प्रबंधन और विस्तार प्रशिक्षण संस्थानों (एसएएमईटीआई), राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू) और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) संस्थानों जैसे संस्थानों के साथ सोलो प्रशिक्षणों के स्थान पर सहयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम; 2).भौतिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों से ऑनलाइन प्रशिक्ष कार्यक्रम; 3). नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के स्थान पर वर्तमान मुद्दों को संबोधित करने के लिए उभरते विषयों पर मासिक और साप्ताहिक वेबिनार; 4). उत्पादन-चालित प्रशिक्षण कार्यक्रम के स्थान पर बाजार - चालित और मूल्य श्रृंखला-वार एक्सटेंशन कार्यक्रम; 5).संकाय द्वारा व्यक्तिगत प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बदले किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ)पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने समूह दृष्टिकोण; 6). कृषि विस्तार प्रणाली को मजबूत करने के लिए नियमित अनुसंधान विषयों के बदले अनुप्रयोग उन्मुख अनुसंधान विषय। मुझे लगता है कि यह बदलाव विस्तार पेशेवरों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को संबोधित करने में हमारे भागीदारों की अधिक समावेशिता और तालमेल सुनिश्चित करेगा।

इस नए दृष्टिकोण के साथ, मैनेज ने शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 के लिए 431 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रस्ताव किया है, जिसमें शामिल हैं - थीमेटिक ट्रेनिंग प्रोग्राम, राष्ट्रीय कार्यशालाएं, एफपीओ पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, मूक्स (एमओओसी) -आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, ईईआई, एसएएमटीआई, एसएयू और आईसीएआर संस्थानों के साथ ऑनलाइन सहयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम, मासिक वेबिनार, साप्ताहिक वेबिनार, एग्री-क्लिनिक और एग्री बिजनेस सेंटर (एसीएबीसी) योजना के तहत रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम (आरटीपी) और प्रमाणित फार्म सलाहकार / प्रमाणित पशुधन सलाहकार कार्यक्रम (सीएफए / सीएलए)। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैनेज ने 31 मार्च 2021 को अपना प्रशिक्षण कैलेंडर 2021 -2022 जारी किया है और अपने हितधारकों को व्यापक रूप से वितरित किया और मैनेज वेबसाइट पर इसे साझा किया।

मुझे यकीन है कि 2021-2022 में मैनेज द्वारा प्रदान किए गए नए प्रशिक्षण के अवसर राज्य सरकार के विभागों, आईसीएआर संस्थानों, एसएयू, केवीके, समेती, ईईआई, किसानों के निर्माता संगठनों, गैर सरकारी संगठनों और निजी क्षेत्र को अपने अधिकारियों, वैज्ञानिकों, विस्तार अधिकारियों, संकाय सदस्यों, प्रशासकों, परियोजना प्रबंधकों और शोधकर्ताओं को नामित करने में मदद करेगा जिससे कि वे किसानों के लिए कृषि विस्तार सेवाओं को प्रभावी ढंग से वितरित करने हेतु उनकी क्षमता और कौशल विकसित करने के लिए उपयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं में भाग ले सकें।

आइए, किसानों को सशक्त बनाने के लिए हाथ मिलाएं, कृषि को सशक्त बनाएं और भारत को वैश्विक कृषि में अग्रणी के रूप में स्थान दें।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा

महानिदेशक

"एम (पावरिंग) फार्म महिला, पावरिंग कृषि" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

"अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" के उपलक्ष्य में "एम (पावरिंग) फार्म वूमेन, पावरिंग एग्रीकल्चर" पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 8-9 मार्च, 2021 के दौरान मैनेज, हैदराबाद में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। उद्घाटन भाषण डॉ. अशोक दलवई, सीईओ, एनआरएए, चेयरपर्सन - डीएफआई, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा दिया गया था। उन्होंने कहा कि सशक्तीकरण समाज में भिन्न- भिन्न रूप होता है, हमें समाज के परिवर्तनों को समझना चाहिए और इसे अपनाना चाहिए। हम जिस बदलाव को चाहते हैं वह पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव होना चाहिए। उन्होंने कृषि में समानता, लिंग अंतर और स्त्रीलिंगीकरण के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया। इसके बाद डॉ. शोभा नागानुर, प्रो और हेड, एचईसीएम, सीसीएस, यूएएस, धारवाड़, कर्नाटक द्वारा "कृषक महिलाओं की आजीविका विकास के लिए कृषि उद्यमिता अवसर" पर संबोधित किया गया। प्रस्तुति के दौरान उन्होंने माध्यमिक कृषि उत्पादन, वर्मी खाद जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया और कुछ तकनीकों को उजागर किया जो माध्यमिक कृषि उत्पादन को आसान बना रहे हैं। अध्यक्षीय भाषण, मैनेज के महानिदेशक डॉ. पी. चंद्रा शेखरा द्वारा दिया गया था। संगोष्ठी के दौरान, दो एफपीओ यानी पुणे से महा एफपीओ और बिहार की अरण्यक एग्री प्रोड्यूस कंपनी लिमिटेड

पूर्णिया बिहार को वर्चुअल मोड के माध्यम से अपने अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी विभिन्न विषयों पर नवीन विचारों पर चर्चा करने के लिए शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, विस्तारकों और छात्रों को एक साथ लाने के लिए एक फोरम है और आगे के अनुसंधान और वैज्ञानिक / शैक्षणिक गतिविधियों के लिए ज्ञान और सीखने के समूह उत्पन्न करने के लिए एक मंच है। सैकड़ों प्रतिभागियों (ऑनलाइन), पेपर प्रेजेंटर्स, कीनोट और ट्यूटोरियल प्रतिभागियों, छात्रों को इस सेमिनार से कई तरह से फायदा हुआ था।

शोधकर्ताओं ने छह विषयों के तहत अपने कागजात प्रस्तुत किए।

⇒ कृषि के माध्यम से महिला सशक्तीकरण।
⇒ संपत्ति, संसाधनों और ज्ञान तक पहुंच: नीतियां और रणनीतियां।
⇒ महिलाओं के परिश्रम को कम करने के लिए कृषि नवाचार।
⇒ महिला किसानों / कृषि व्यवसायियों के बाजार संबंध।
⇒ @ समूह दृष्टिकोण एफआईजी /सीआईजी /एसएचजी /एफपीओ, समूह दृष्टिकोण माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना।
⇒ महिलाओं और घरेलू भोजन व पोषण सुरक्षा।

पेपर प्रस्तुति के लिए पंजीकृत 27 प्रतिभागियों में से 14 वक्ताओं ने अपने पेपर प्रस्तुत किए। 14 प्रस्तुतियों में से तीन तकनीकी और वैज्ञानिक रूप से बेहतरीन रहे है और उन्हें सर्वश्रेष्ठ पत्रों से सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ पत्रों का विवरण नीचे दिया गया है:

- समूह इंटेलिजेंस आधारित समूहिक निर्णय लेना: किसानों के स्वयं सहायक समूहों को मजबूत करने के लिए संभावित मध्यस्ता; प्रज्ञा गोस्वामी, जी बी पंत कृषि विश्वविद्यालय
- मेघजीत शर्मा शिजागुरुमायुम, यूएएस, बेगलूर द्वारा मणिपुर किसान परिवारों में आर्थिक और उत्पादक संसाधनों की पहुंच में लैंगिक अंतर पर एक आनुभविक अध्ययन।
- डॉ. नीवा चिरुकुरी द्वारा जेंडर रिस्पॉन्सिव एग्रीकल्चर मार्केट लिंकेज।

इस आयोजन के वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए मैनेज ने डेक्कन डेवलपमेंट सोसाइटी (डीडीएस) कम्युनिटी मीडिया ट्रस्ट महिलाएं ज़हीराबाद, मेदक जिला, तेलंगाना को आमंत्रित किया। यह ग्रामीण अनपढ़ कृषक की महिलाओं की असाधारण उपलब्धियों को प्रदर्शित करने का एक प्रयास था, जिन्होंने खुद को मीडिया के क्षेत्र में सशक्त बनाया है। डीडीएस की दोनो महिलाओं श्रीमती मल्लम्मा, पारिस्थितिक किसान व बीज पर्यवेक्षक और श्रीमती नरसम्मा संगम रेडियो के प्रबंधक को इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

मैनेज कृषि ज्ञानदीप नॉलेज व्याख्यान श्रृंखला -1

कृषि विकास में "मेरा प्रयोग और अनुभव: डॉ अशोक दलवई द्वारा विस्तार कर्मियों के लिए संदेश

मैनेज ने कृषि के क्षेत्र में प्रख्यात लोगों के व्याख्यान और वार्ता के माध्यम से अपने ज्ञान को साझा करने के लिए कृषि विज्ञान के क्षेत्र में कृषि ज्ञानदीप व्याख्यान श्रृंखला शुरू किया, जिसे रिकॉर्ड किया जाएगा और देश के हर विस्तार पेशेवर तक पहुंचाने के लिए मैनेज यूट्यूब चैनल के माध्यम से वीडियो के रूप में प्रसारित किया जाएगा। ।व्याख्यान की पहली श्रृंखला के भाग के रूप में, डॉ. अशोक दलवई, भा.प्र.से. (सेवानिवृत्त), सीईओ, एनआरएए द्वारा 8 मार्च, 2021 को "कृषि विकास में मेरा प्रयोग और अनुभव: विस्तार कर्मियों के लिए संदेश"पर व्याख्यान दिए। उन्होंने वास्तविक जीवन की स्थितियों को साझा किया जो उनके द्वारा सामना की गई थीं और कुछ कहानियों जो उन्हें किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कुछ नवीन विचारों को विकसित करने में प्रेरित किया। इस वीडियो के लिए मैनेज यूट्यूब चैनल देखें :https://www.youtube.com/watch?v=v0ZnTDqLS68&t=4s

आंध्र प्रदेश एकीकृत सिंचाई और कृषि परिवर्तन परियोजना (एपीआईआई और एटीपी)

मैनेज को डीईए (आर्थिक मामलों के विभाग, भारत सरकार) और आंध्र प्रदेश सरकार (GoAP) के साथ एक विश्व बैंक प्रायोजित परियोजना "आंध्र प्रदेश एकीकृत सिंचाई और कृषि परिवर्तन परियोजना" (एपीआईआई एवं एटीपी), के कार्यान्वयन संगठन के रूप में पहचाना गया है। मैनेज इस परियोजन घटक 'सी' को लागू करेगा यथा

आंध्र प्रदेश में श्रीकाकुलम, विजयनगरम, विशाखापट्टनम, पूर्वी गोदावरी और पश्चिम गोदावरी के पांच जिलों में एपीआईआई और एटीपी का "पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट मार्केट एग्रीबिजनेस प्रमोशन"। मैनेज मुख्य रूप से किसान की पहुंच बढ़ाने और वैकल्पिक विपणन चैनलों के माध्यम से बाजारों तक उनकी पहुंच और कृषि स्तर के एकत्रीकरण, फसल के बाद के प्रबंधन और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देकर किसानों की लाभप्रदता को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह परियोजना किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का समर्थन करेगी; व्यापक इनपुट और आउटपुट बाजारों तक पहुंचने के लिए उनकी क्षमता और कौशल विकसित करना; और कृषि उत्पादों को एकत्र करने के लिए सामान्य सेवा केंद्र स्थापित करने के लिए एफपीओ को निवेश सहायता प्रदान करेगा। यह घटक मूल्य श्रृंखला में लचीलापन और मूल्य श्रृंखला में पते की कमियों का समाधान प्रसतुन करने पर ध्यान केंद्रित करेगा और किसान की लाभप्रदता बढ़ाने कृषि उपज के लिए सामूहिक सौदेबाजी का लाभ उठाने के लिए स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में एफपीओ और मूल्य श्रृंखला ऑपरेटरों के जुड़ाव की सुविधा प्रदान करेगा। । जनवरी - मार्च 2021 के दौरान, मैनेज ने परियोजना में निम्नलिखित पहल की हैं:

- एक व्यापक डेस्क अनुसंधान किया गया है और गौण आंकड़ों का उपयोग करके जिलेवार उत्पादन संभावित फसलों के साथ स्थितिजन्य विश्लेषण पर एक रिपोर्ट तैयार की गई है।
- आधारभूत सर्वेक्षण करने के लिए विभिन्न हितधारकों के साक्षात्कार कार्यक्रम और प्रश्नावली तैयार की गई है।
- मार्केटिंग सेल की स्थापना पर अवधारणा नोट तैयार किया गया है और विस्तार परियोजना रिपोर्ट निर्माणाधीन है।
- एक वेबसाइट एनआईसी की मदद से तैयार की जा रही है और इसे कृषि आयुक्त, आंध्र प्रदेश के परामर्श से लॉन्च किया जाएगा।
- एपीआईआई और एटी परियोजना के लिए हस्तक्षेप-ए परिप्रेक्ष्य के लिए एफपीओ की पहचान पर एक दिवसीय परामर्शी कार्यशाला का आयोजन किया गया था।
- एफपीओ के बारे में जानकारी एकत्रित करने के लिए व्यापक सर्वेक्षण किया गया है और परियोजना जिलों से पांच एफपीओ की पहचान की जाएगी।
- अनकापल्ली (विशाखापट्टनम) में महिलाओं के एफपीओ, सुसाग मिल्ट्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की केस स्टडी से प्रलेखन किया गया है।
- एग्री समुन्नती और एसएवी फाउंडेशन, एपीएमएएस जैसी एजेंसियों की पहचान की गई है और पहचान किए गए एफपीओ को एंड टु एंड समाधान प्रदान करने की ज़िम्मेदारी सौंपी गयी।

2021-22 में प्रशिक्षण कार्यक्रम और ज्ञान सहभाजन

करोना महाम्मारी ने विश्व भर के संगठनों में प्रशिक्षण एवं अनुसंधान गतिविधियों की गति व शिक्षण विधि को प्रभावित किया है। मैनेज इन परिणामों से परे नहीं है। इस कठिन समय में मैनेज ने अपने प्रशिक्षण व ज्ञान साझा करने की गतिविधियों को नहीं रोका। मैनेज ने वर्ष 2020-21 के लिए निर्णीत प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन के लिए वर्चुअल तकनीकियों को अपना लिया है।

कोविड-19 के संदर्भ में कृषि क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने के लिए कृषि विस्तार व्यवसायियों को तैयार करने की आवश्यकता महसूस की गयी। अप्रैल - जुलाई 2020 के दौरान, मुख्य विषय वस्तु जैसे एक्सटेंशन नेक्स्ट: कृषि विस्तार का भविष्य, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की चुनौतियाँ, ग्रामीण जनता के लिए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा का आश्वासन और खाद्य सुरक्षा उपाय, विस्तार दृष्टिकोण के माध्यम से कृषि में जोखिम शमन जलवायु परिवर्तन और ताजे फलों के लिए तन्यक आपूर्ती श्रृंखला का निर्माण, किसानों को बाजारों से जोड़ना इत्यादि के माध्यमा से मैनेज ने कोविड - 19 के दौरान कोपिंग स्ट्राटजीस पर केन्द्रित कई वेबिनार और ऑनलाईन कार्यक्रमों का आयोजन किया है। समय पर प्रदत्त इन वेबिनारों ने कई अधिकारियों, वैज्ञानिकों, विस्तार व्यवसायियों, अनुसंधानर्त्ताओं, एन जी ओ, छात्रों को भारतीय कृषि पर कोविड-19 के प्रभाव से अवगत कराया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए विचार करने में सहायता किया है। ऑनलाइन मैनेज डाइलॉग 2020: कृषि विस्तार सलाहारी सेवा का भविष्य का आयोजन का उद्देश्य निम्न मदों पर विचारोत्तेजन करना और जानकारी प्रदान करना है।

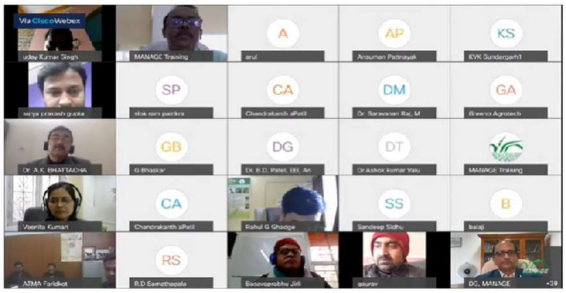

मैनेज के संकाय सदस्यों ने कई हितधारकों तक पहुंचने के लिए विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफार्मों के माध्यम से वर्ष 2020-21 के लिए अनुमोदित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए वर्चुअल / ऑनलाइन प्रशिक्षण विधियों को तुरंत ही अपना लिए। मैनेज ने पूरी तरह इन-हाउस विशेषज्ञता द्वारा विकसित मैनेज के "एक्सटेंशन मूक्स" प्लेटफॉर्म पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बड़े पैमाने पर ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम (मूक्स) प्लेटफॉर्म की क्षमता का दोहन किया है।

2020–2021 के दौरान 152 स्वीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रमों में से, मैनेज ने 184 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें वेबिनार, ऑनलाइन विषयगत प्रशिक्षण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कार्यशालाएं, रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम (आरटीपी), प्रमाणित फार्म / पशुधन सलाहकार कार्यक्रम और आरकेवीवाई-रफ्तार परियोजना के तहत कृषि विभागों और कृषि स्टार्टअप के लिए राज्य विभागों, एसएएमईटीआई, ईईआई, कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके), आईसीएआर संस्थानों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, गैर सरकारी संगठनों, विश्वविद्यालयों से निजी क्षेत्र और अनुसंधान विद्वानों का प्रतिनिधित्व करने वाले 19225 प्रतिभागियों की एक बड़ी संख्या के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल थे।

मैनेज संकाय सदस्यों ने अच्छी संख्या में प्रकाशनों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए महामारी की अवधि का पूरी तरह से उपयोग किया है। कुल 56 प्रकाशन, जिनमें शोध लेख, चर्चा पत्र, पुस्तक अध्याय, किताबें, रिपोर्ट, वर्किंग पेपर्स, नीति संक्षिप्त और कार्यशाला / संगोष्ठी पत्र आदि शामिल हैं। 180 वीडियो फिल्में मैनेज फैकल्टी सदस्यों द्वारा अपने मूक्स- आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपयोग करने के लिए बनाई गई थीं इसके अलावा आरकेवीवाई-राफ्तार प्रोग्राम के तहत एग्रीप्रेन्योर और एग्री स्टार्टअप पर 60 वीडियो मैनेज यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध कराया गया है।

मैनेज - इक्रीसैट भागीदारी को पूरा

डॉ. अरविंद कुमार, उप महानिदेशक-अनुसंधान, सुश्री जोआना केन-पोटका, सहायक महानिदेशक, सामरिक विपणन और संचार, और सुश्री लक्ष्मी पिल्लई, प्रबंधक-अनुदान, इक्रिसैट प्रबंधन ने इक्रिसैट और मैनेज के बीच साझेदारी विषयों का पता लगाने के लिए 15 मार्च 2021 को मैनेज का दौरा किया। डॉ. श्रीनाथ दीक्षित, थीम लीडर, इक्रिसैट डेवलपमेंट सेंटर भी वर्चुअल रूप से बैठक में शामिल हुए हैं।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने मैनेज केंद्र प्रमुखों के साथ साझेदारी बैठक में भाग लिया। मैनेज ने इक्रिसैट के साथ सहयोग के लिए प्रशिक्षण, अनुसंधान, नीति वकालत, कृषि व्यवसाय शिक्षा और परामर्शदाताओं के क्षेत्रों में अपनी चल रही गतिविधियों और भविष्य के कार्यक्रमों पर एक प्रस्तुति दी। इक्रिसैट ने भी अपनी वर्तमान गतिविधियों की एक प्रस्तुति दी और मैनेज के सहयोग के लिए संभावित क्षेत्रों पर विचार किया । इक्रिसैट टीम और मैनेज संकाय सदस्यों ने प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर चर्चा की। कृषि विकास, जलवायु स्मार्ट कृषि और पोषण और जेन्डर और कृषि नवाचार को सहयोग के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों के रूप में पहचान है। यह भी सहमति व्यक्त की गई है कि मैनेज और इक्रिसैट गतिविधियों में अनुभव और संकाय संसाधनों को साझा करने के लिए ज्ञान-विज्ञान के साझेदारों के रूप में संकाय साथ काम करेंगे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

"तनुवासा (TANUVAS) के संकाय में शिक्षण और प्रबंधकीय कौशल बढ़ाना" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

"भारत में उच्च शिक्षा का सुदृढ़ीकरण और विकास" कृषि शिक्षा प्रभाग योजना के तहत दो चरणों में क्रमशः 8-12 मार्च 2021 और 15-19 मार्च 2021 के दौरान मैनेज, हैदराबाद में "शिक्षण और प्रबंधकीय कौशल के बीच एक परामर्शी प्रशिक्षण कार्यक्रम" पर एक परामर्शी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

मैनेज के महानिदेशक डॉ.पी. चंद्रा शेखरा और नेशनल रेनफेड एरिया अथॉरिटी (एनआरएए) के सीईओ डॉ. अशोक दलवाई ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। महानिदेशक ने अपने भाषण में स्टेट वेटरनरी प्रोफेसरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से भारत में उच्च शिक्षा के सुदृढ़ीकरण और विकास में सहयोग करने वाले टीएएनयूवीएएस के विस्तार शिक्षा निदेशक के प्रयासों की सराहना की। प्रतिभागी तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग से हैं। इन क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रमुख उद्देश्य प्रभावी प्रस्तुति के लिए प्रतिभागियों के शिक्षण कौशल को विकसित करना, प्रभावी प्रदर्शन के लिए प्रतिभागियों के प्रबंधकीय कौशल को विकसित करना और विस्तार प्रबंधन के नए आयामों पर प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान करना है।

मैनेज वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर 2021-22

मैनेज ने 31 मार्च 2021 को 2021-2022 वर्ष के लिए अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम कैलेंडर जारी किया। इस प्रशिक्षण कैलेंडर में वर्ष 2021- 2022 के लिए निर्धारित 431 प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची है। कैलेंडर के मुख्य विषयों में शामिल है कि मैनेज का प्रत्येक केन्द्र उभरते विषयों पर मासिक साप्ताहिक / वेबिनार आयोजित करेंगे। प्रत्येक संकाय सदस्य महत्वपूर्ण विषयों के नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) पर एक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित करेंगे।

मैनेज समेती, ईईआई, एसएयू और आईसीएआर संस्थानों जैसे साझेदारों के साथ 120 ऑनलाइन सहयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करेगा जो उन संगठनों विशेषज्ञता प्राप्त विषयों को कवर करता है और कृषि विस्तार पेशेवरों के लिए अत्यधिक प्रासंगिक है। महामारी की स्थिति को देखते हुए, मैनेज ने बड़ी संख्या में कृषि अधिकारियों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, एग्रीप्रेन्योरों, एनजीओ, विद्वानों और निजी क्षेत्र के कर्मियों तक पहुंचने के लिए ऑनलाइन और मूक्स- आधारित प्रशिक्षण तकनीकों को अपनाया है। आप मैनेज प्रशिक्षण कैलेंडर निम्न लिंक से डाउनलोड कर सकते हैं:
https://www.manage.gov.in/trainings/trgCalendar.pdf

मैनेज के नये प्रकाशन

मैनेज ने 8 मार्च, 2021 को डॉ. अशोक दलवई, भा.प्र.से. (सेवानिवृत्त), सीईओ, एनआरएए और डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज द्वारा अपने परिसर में एक समारोह में निम्नलिखित प्रकाशनों का विमोचन किया है।

- महिला किसान उत्पादक संगठनों की सफलता की कहानियाँ: डॉ. वीनीता कुमारी, उप निदेशक (जेन्डर स्टडीज), मैनेज, डॉ. एम. चैतन्य कुमारी, प्रोफेसर, सीसीएस, एएनजीआरएयू, बीएससी (ऑनर्स) सामुदायिक विज्ञान (2020), एएनजीआरएयू, सुश्री सी. लखीता, सुश्री के. वर्षा, सुश्री एन. भवानी
- ऑर्गेनिक माईक्रोग्रीन्स डॉ. विनीता कुमारी, उप निदेशक (जेन्डर स्टडीज), मैनेज, डॉ. एम. चैतन्य कुमारी, प्रोफेसर, सीसीएस, एएनजीआरएयू, बीएससी (ऑनर्स) सामुदायिक विज्ञान (2020), एएनजीआरएयू
- माइक्रोग्रीन्स - माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का एक स्रोत, डॉ. विनीता कुमारी, उप निदेशक (जेंडर स्टडीज), बी.एससी (ऑनर्स) कम्युनिटी साइंस के इंटर्नो द्वारा संकलित
- महाराष्ट्रा में किसान निर्माता कंपनियों (एफपीसी) का प्रभाव आकलन- डॉ. के.सी.गुम्मगोलमठ, निदेशक (सीएसए, एम एंड ई), डॉ. एस.बी. रम्या, कन्सलटेंट (सीएसए, एम एंड ई), सुश्री प्रियंका पात्रा, कन्सलटेंट (सीएसए) द्वारा एक केस स्टडी, एम एंड ई)
- डॉ. के. निर्मल रवि कुमार, प्रोफेसर, एएनजीआरएयू, आंध्र प्रदेश, डॉ. के.सी. गुम्मगोलमठ, निदेशक (सीएसए, एम एंड ई) द्वारा डोमेस्टिक एण्ड एक्सपोर्ट कॉम्पिटेटिवनेस ऑफ मेजर एग्रिकल्चरल कमॉडिटीस इन इंडिया विथ स्पेशल रेफरेन्स टु तेलंगाना
- वैल्युचेन मैनेजमेंट ऑफ ग्रेप्स एण्ड कोविड-19 ए ग्लिम्पस ऑफ इंडियास रेस्पास्सेस - डॉ. के. निर्मल रवि कुमार, प्रोफेसर, एएनजीआरएयू, आंध्र प्रदेश, डॉ. के.सी. गुम्मगोलमठ, निदेशक (सीएसए, एम एंड ई), डॉ. सुरेश चंद्रा बाबु, हेड, केपासिटी बिल्डिंग, आईएफपीआरआई

पुस्तक पर चर्चा

22 मार्च, 2021 को मैनेज संस्थान के पुस्तकालय में एक बुक टॉक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। "डंकन क्लार्क" द्वारा लिखित "अलीबाबा: द हाउस दट जैक मा बिल्ट" नामक एक पुस्तक की समीक्षा डॉ. शैलेंद्र, उपनिदेशक (बिहेवियर साइन्स) और कृषि विस्तार में आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और विपणन केंद्र के प्रमुख द्वारा की गई थी। उन्होंने कहा कि पुस्तक अलीबाबा के संस्थापक जैक मा के इर्द-गिर्द घूमती है कि कैसे वे विभिन्न समस्याओं पर काबू पाकर सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी बन गई और कुछ प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया। पूर्ण वीडियो के लिए हमारे मैनेज इंडिया यूट्यूब चैनल देखें: https://www.youtube.com/watch?v=8vc35AcYI44

कृषि विस्तार प्रबंधन के लिए जर्नल में योगदान करें

कृषि विस्तार प्रबंधन की पत्रिका, मैनेज का अर्धवार्षिक प्रकाशन है जिसका उद्देश्य विस्तार प्रणालियों और प्रथाओं से संबंधित जानकारी, विस्तार पर शोध, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में नवाचार और कृषि और संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित अन्य सामाजिक आर्थिक मुद्दों का प्रसार करना है। मैनेज नए घटनाक्रम, अवधारणाओं और प्रभावी विस्तार कार्य में उनकी उपयोगिता पर लेख आमंत्रित करता है। लेखक अपने लेखों को कार्यकारी संपादक, जर्नल ऑफ एग्रिकल्चरल एक्सटेन्शन मैनेजमेंट, राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज), राजेंद्रनगर, हैदराबाद को प्रस्तुत कर सकते हैं। लेख ई-मेल द्वारा भी भेजे जा सकते हैं: jaem@manage.gov.in

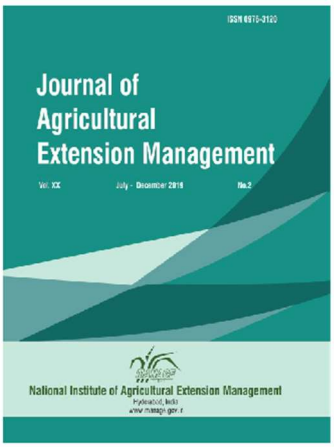

सेवानिवृत्तियाँ

श्री ई. नागभूषणम वर्ष 1991 में प्रतिनियुक्ति के आधार पर जूनियर अकाउंटेंट के रूप में मैनेज में भर्ती हुए है और तत्पश्चात मैनेज में उन्हें 1994 में स्थाई रूप से नियुक्त किया गया है। मैनेज में अपनी सेवा के दौरान उन्होंने तेलंगाना राज्य के उटनूर और आदिलाबाद जिलों में पीएआर प्रोजेक्ट से और अमरावती, महाराष्ट्र में विल (WILL) प्रोजेक्ट से जुड़े थे। । मैनेज में 26 ½ वर्षों तक विभिन्न स्तरों पर काम करने के बाद, वे स्टोर ऑफिसर के रूप में सेवानिवृत्त हुए हैं। मैनेज उन्हें उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता है।

मैनेज बुलेटिन का प्रकाशक :
डॉ. पी.चंद्रा शेखरा, महानिदेशक

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन
राजेंद्रनगर, हैदराबाद – 500030, India.
दूरभाष: 040-24594509, फैक्स: 040-24015388

मुख्य संपादक:
डॉ. पी.चंद्रा शेखरा
संपादक
डॉ. ए. श्रीनिवास चार्युलु
एसोसिएट एडिटर
डॉ. के. श्रीवल्ली
संकलन और डिजाइन
सुश्री वाई जाह्नवी